Go to Index

॥ जय महेश ॥

Reg. No. : F1306/ABD

ढाट माहेश्वरी संदेश पत्रिका

अंक 02 ■ अगस्त - 2024

आशा विश्वास, हौसला है पास

15 अगस्त की हार्दिक बधाई

आया सावन झूम के.....

रथयात्रा की शुभकामनाए

प्रकाशक : ऑल ईन्डिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज

Reg. No. : F1306/ABD

ढाट माहेश्वरी संदेश

अंक 02 ■ अगस्त - 2024

गिरीश राठी
अध्यक्ष

दिनेश मालानी
संपादक

कार्यालय एड्रेस :
ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज
१-२, स्मृति अपार्टमेन्ट,
पोलिटेक्निक के सामने,
पांजरापोल चार रास्ता, आंबावाडी,
अहमदाबाद (गुजरात)
फोन नं : (0) 79 - 26303020
ट्रस्ट रजिस्ट्रेशन नं : F/13026/AHMEDABAD
PAN - AACTA1046N
ई - मेईल : aifdmspatrika@gmail.com
वेबसाईट : www.dhatmaheshwari.com
Website (In Progress)

नोट :
डाटा का आधार ई-मेल, मोबाईल एप और वर्किंगकॉमिट्टी के सदस्यों द्वारा दी गई जानकारी है। हमने सावधानी पूर्वक सभी कंटेन्ट को चेक कर प्रकाशित किया है फिर भी अगर कोई भूल या त्रुटि रह गई हो तो इसके लिए हम क्षमाप्रार्थी हैं।

अनुक्रमणिका

इस अंक में

■ फेडरेशन से संदेश ३
■ सामयिकी ४
■ स्वास्थ्य ८
■ साहित्य, संस्कृति और मनोरंजन १०
■ सामाजिक गतिविधियाँ १३
■ श्रद्धा सुमन १४
■ पुरस्कार एवं उपलब्धियां १५
■ AIFDMS की वर्तमान गतिविधियाँ १७
■ उत्सव व त्योहार १९

टीम पत्रिका

मीनू माहेश्वरी,
पालनपुर

धर्मेश महेश्वरी,
अहमदाबाद (वेस्टर्न)

मंजू केला,
बडौदा

Contact us:

Visit us on social Media:

फेडरेशन से संदेश

अध्यक्ष की ओर से

जैसा कि आपको विदित है की जून के महीने में हमने पहली बार e -पत्रिका ढाट महेश्वरी संदेश की डिजिटल यात्रा की शुरुआत की थी , इसके लिए हमे पाठक वर्ग से काफी अच्छा प्रतिसाद मिला था। फिर भी इस में कुछ कमियाँ महसूस हुई जिसके कारण यह कई लोगों तक पहुँच नही पाई और रोजमर्रा के व्हाट्सअप मैसेज में दब गई। इसकी मार्केटिंग में कमी रही और इस बार हम इन बिन्दुओ पर विशेष जोर दे रहे हैं ताकि विश्व के किसी भी कोने में रहने वाले समाज बंधु को यह पत्रिका तुरंत प्राप्त हो सके और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसमे हमे आपके सुझाव और फीडबैक चाहिए ताकि आने वाले अंक और ज्यादा रोचक बन सके।

धन्यवाद,

गिरीश राठी, अध्यक्ष

संपादक की कलम से

प्रिय पाठक गण,

जून 2024 के अंक से अगस्त 2024 के अंत तक हमने काफी सुधार करने की कोशिश की है ताकि जानकारी को सुदृढ़ व सारगर्भित बनाया जा सके।

आपसे अपनी कंटेंट आप हिंदी इंग्लिश दोनों में से किसी भी भाषा में दे पाएंगे आपसे अनुरोध है कि कृपया अपने एरिया के वर्किंग कमेटी के सदस्य के द्वारा कंटेंट भेजें ताकि उनकी जांच और पुष्टि हो सके और एक और बात कि आप अपना फीडबैक हम तक जरूर पहुंचाएं ताकि हम अपनी पत्रिका में और ज्यादा सुधार ला सके।

धन्यवाद,

दिनेश मालानी, संपादक

'ढाट माहेश्वरी संदेश' में विज्ञापन प्रकाशित का दर

'ढाट माहेश्वरी संदेश' अपनी समाज की पत्रिका है, समग्र भारतवर्ष में एवं ओवरसीज में पहुंचता हैं, आप का संदेश ज्ञाति बंधु एवं अन्य लोगों तक असरकारक तरीके से 'ढाट माहेश्वरी संदेश' के द्वारा पहोंचेगा।

अगर आपकी विज्ञापन तैयार है और उस विज्ञापन को 'ढाट माहेश्वरी संदेश' में देना चाहते हो तो उनको पीडीएफ फोर्मेट (PDF Format) या जेपेग फोर्मेट (JPEG Format) में संपादक के ई-मेईल पर भेजना होगा।

॥ जय महेश ॥

ढाट माहेश्वरी संदेश
पत्रिका
आशा विश्वास, हौसला है पास

विज्ञापन प्रकाशित करने का टेरीफ

टाईटल पेज - रु. 1,000 /-
ईन्डेक्ष पेज - रु. 750 /-
इनर हाफ पेज - रु. 500/-
इनर फुल पेज - रु. 1000/-

सामयिकी

नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) पाक हिंदू शरणार्थियों के लिए एक नई आशा

18 अगस्त, 2024 को स्वतंत्र भारत के इतिहास में स्वर्णिम दिन के रूप में लिखा जाएगा, जब माननीय केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमितभाई शाहने स्वयं अहमदाबाद में पाकिस्तान से आए हमारे ढाटी माहेश्वरीयों सहित हिंदू शरनाथियों को भारतीय नागरिकता प्रमाणपत्र वितरित किए थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सीएए सिर्फ देश में रहने वाले लाखों शरणार्थियों को नागरिकता देना तो है ही, उन्हें न्याय और उनका अधिकार भी दिलाना है।

भारत सरकार द्वारा पारित नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अधिनियम के तहत, पाक हिंदू शरणार्थियों को विशेष प्रावधानों के तहत नागरिकता प्रदान की जाएगी।

श्री राजेश हराणी ने पाक हिंदू शरणार्थी संगठनकी ओर से माननीय केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमितभाई शाह और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल का अभिनंदन किया। इस अवसर पर गुजरात के सम्मानित कैबिनेट मंत्री, सांसद, अहमदाबाद के विधायक, डीजीपी और गृह सचिव गुजरात और गुजरात के विभिन्न जिलों से कई अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पाक हिंदू शरणार्थियों के लिए विशेष प्रावधान

CAA के तहत, पाक हिंदूशरणार्थियों को निम्न लिखित प्रावधानों के तहत नागरिकता प्रदान की जाएगी:

1. **नागरिकता की पात्रता:** पाकिस्तान से आए हिंदू प्रवासी जो भारत में 31 दिसंबर 2014 से पहले आए हैं, वे नागरिकता के लिए पात्र होंगे।
2. **नागरिकता की प्रक्रिया:** शरणार्थियों को नागरिकता के लिए आवेदन करना होगा,जिस में उन्हें अपनी पहचान, राष्ट्रीयता और भारत में रहने के प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।
3. **नागरिकता की समय सीमा:** शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करने की समय सीमा 5 साल होगी, जो कि सामान्य तौर पर 11 साल होती है।
4. **नागरिकता के अधिकार :** नागरिकता प्राप्त करनेवाले प्रवासी भारतीय नागरिकों के समानअधिकारों और सुविधाओं का आनंद लेंगे।

CAA के लाभ

CAA के तहत पाक हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता प्रदान करने से उन्हें निम्न लिखित लाभ मिलेंगे:

1. **नागरिकता की सुरक्षा:** शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें नागरिकता की सुरक्षा मिलेगी।
2. **राजनीतिक अधिकार:** शरणार्थियों भारतीय नागरिकों के समान राजनीतिक अधिकारों का आनंद लेंगे, जैसे कि मतदान का अधिकार।
3. **सामाजिक सुरक्षा:** शरणार्थियों को सामाजिक सुरक्षा के लाभ मिलेंगे, जैसे कि पेंशन, बेरोजगारी भत्ता आदि।
4. **आर्थिक अवसर शरणार्थियों:** भारत में आर्थिक अवसर मिलेंगे, जैसे कि रोजगार, व्यवसाय आदि।

निष्कर्ष

CAA पाक हिंदू शरणार्थियों के लिए एक नई आशा है,जो उन्हें भारतीय नागरिकता प्रदान करने और उन्हें सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक अवसर प्रदान करने के लिए एक महत्व पूर्ण कदम है।

हम सभी ढाट्टी माहेश्वरीबंधुओं से अनुरोध करते हैं, जो 15-08-1947 से 31-12-2014 तक कभी भी पाकिस्तान से आए हैं और भारत के किसी भी जिले में रह रहे हैं और उन्हें अभी तक भारतीय नागरिकता नहीं मिली है। भारत में आपके प्रवेशकी तारीख (यहां तक कि 67 साल पहले) से भारतीय नागरिकता प्राप्त करने का यह सुनहरा मौका है। अधिक सहायता के लिए

राजेश हराणी और टीम (M) 9879026926 पर संपर्क करें।
ईमेल: sindh.mma@gmail.com

Go to Index

बंसीधर बी. माहेश्वरी
अहमदाबाद

थर के माहेश्वरीयों के नुख और कुलदेवियाँ

कई साल पहले, मेरी पुस्तक **"आपणों सांस्कृतिक वारसों"** में नुख और कुलदेवियों के बारे में सबसे पहली बार जानकारी दी गई थी। उसमें दो कुलदेवियों के स्थान में गलती होने के कारण उसे सुधारा गया है उपरोक्त गुजराती पुस्तक के अंग्रेजी अनुवाद में। फिर भी लोहिया नुख की कुलदेवी का नाम और स्थान तथा गीगल नुख की कुलदेवी मातृ का स्थान आदि की जानकारी मिलने के बाद, उसे बताना आवश्यक समझा गया है। इसलिए अब संपूर्ण नुख, कुलदेवियाँ और मंदिरों के स्थान नीचे दिए गए हैं।

नुख	कुलदेवी	नुख	कुलदेवी	नुख	कुलदेवी
राठी	संचाय	लध्धड	बिंसल	कचोरिया	पाठाय
सारडा / केला	संचाय	लोहिया	सायन	कसुम्बिया	पाठाय
बठ्ठर	बिंसल	गीगल	मात्री	कडवा	कछवाय / संचाय
मल्हर	बिंसल	हरकुट	विसवंत	चांडक	आशापुरा / संचाय
भूतड़ा	खींबज	पनपलिया	संचाय		
बाहेती (मसाणीय)	चामुंडा	मालपाणी	सांगल		

नोट : थार में कुल ऊपर बताए गए 16 नुख थे, लेकिन वास्तव में 14 मुख्य नुख और दो उप-नुख थे (बठ्ठर के उप-नुख में मल्हर और लध्धड), यह उप-नुख समय के साथ मुख्य नुख में गिनी जाने लगी और इन तीन नखों के बीच विवाह समारोह होने लगे (जो नहीं होना चाहिए, लेकिन इसे रोकना संभव नहीं है)।

कुलदेवियों के मंदिरों का विवरण:

1. **संचाय माताजी :** उनका मंदिर ओसिया गाँव में है। यह गाँव जोधपुर से फलोदी-रामदेवरा जाते हुए 60 कि.मी. दूर है। मंदिर में अखंड ज्योत जलती है और वहाँ रहने की अच्छी व्यवस्था है।
2. **बिंसल या विशु माताजी:** उनका मंदिर जैसलमेर में गडीसर तालाब के पीछे के हिस्से में है। वहाँ जाने के लिए तालाब की पाल पर स्थित मुक्तेश्वर महादेव के मंदिर के पास से रास्ता जाता है। मंदिर में रहने की अच्छी सुविधा है।
3. **खीवज माताजी:** उनका मंदिर पोखरण में स्थित है। पोखरण गाँव जैसलमेर और फलोदी के बीच रामदेवरा से 8 कि.मी. दूर है।
4. **सायन माताजी:** उनका मंदिर अजमेर जिले के मसूदा तहसील के श्यामगढ़ गाँव में स्थित है। श्यामगढ़ ब्यावर से 16 कि.मी. दूर है।
5. **मात्री माताजी:** उनका मंदिर नागौर जिले के खीवसर गाँव में बस स्टेशन के पास और किले के निकट स्थित है।
6. **विसवंत माताजी:** उनका मंदिर फलोदी गाँव के तालाब के पास खेत में स्थित है। विसवंत माताजी को वीस भुजाली या बिच्छु माता भी कहा जाता है।
7. **सांगल माताजी:** उनका मंदिर भादरिया गाँव में स्थित है। लाठी-भादरिया गाँव जैसलमेर-पोखरण रास्ते पर जैसलमेर से 40 कि.मी. दूर है। सांगल माताजी को सायगमा माताजी भी कहा जाता है।
8. **पाठाय माताजी:** उनका मंदिर डींडवाणा गाँव के कोट मोहल्ला में स्थित है। डींडवाणा नागौर से 90 कि.मी. दूर है।
9. **आशापुरा माताजी:** उनका मंदिर ओसिया से 7 कि.मी. दूर चाडी रोड पर स्थित चौहानो-की-ढाणी में स्थित है। एक अन्य मंदिर पोखरण बायपास पर भी स्थित है।
10. **चामुंडा माताजी:** उनके मंदिर अलग-अलग स्थानों पर स्थित हैं:
    - मेडता सिटी और मेडता रोड के बीच
    - अजमेर और पुष्कर के बीच
    - जोधपुर जिले के डेरू गाँव के पास चामुंडा गाँव में
    - जोधपुर से 90 कि.मी. दूर सोजत शहर के निकट पहाड़ पर मंदिर स्थित है।

ऊपर दी गई जानकारी में आपको किसी भी प्रकार की त्रुटि नजर आए तो क्षमा करें और सुधार की गई जानकारी मुझे भेजने का अनुरोध है।

Kuchh Karne ki Zarurat

Chamanlal V. Mathrani
Vadodara

We as Dhat is have very good qualities but when it comes to marriage we become little crazy and do not follow rules of propriety and convenience. Through this I urge upon our dear community members to ponder if my words need attention and implementation.

1. We leave a gap of considerable time in engagement and marriage. With smart phones available with everyone, disputes or differences crop up between engaged couples on petty issues. Boys tend to become excessive possessive. Resulting in breakup of engagements.

   Request all to fix marriage date at the engagement ceremony itself. Should be preferably fixed not later than 90 days.
2. Destination marriages even though easy for both families, it restricts Local families joining our happiness. One function need to be organized in the city or town we live.
3. Mandetani and Barat Swagat (varghodo) should be clubbed. If phera are at night the Barat should come in the evening only. As of today even though it is night marriage barat comes in the morning. The Baraties either leave after Mandhetani or find it hard to pass time if they stay. If marriage is during day. Barat should come 3 hours before and leave during the day.
4. At the reception we don't inform regret if we are not joining. Lots of food is wasted. We should make a point to inform the invitee beforehand if we have some difficulty in joining so that host can decide quantum of food to be prepared. While dinning which is always buffet, we pick unnecessary heavy stuff in plate and waste food. This should be avoided at all cost. At food we put so many extra counters as a result main course is wasted to good extent. Personally I feel extra counters should be minimized to eliminate waste.

If we have counter for accepting gift, we should better offer there instead of giving to groom or bride. This will help parents to know who has offered what for better understanding.

A Study of Nutritional and Health Status of Salt Workers

Dr. Shashikala Jawahar Maheshwari
MSc, PhD.(Experet in foods and Nutrition Science)

Dr. Shashikala Jawahar Maheshwari / Jagani Daughter of Tuljaram Lalwani (Palanpur) earned her MSc and PhD in Food and Nutrition Science in 2008. Her doctoral research, titled "A Study of Nutritional and Health Status of Salt Workers," provided an in-depth analysis of the dietary habits and health conditions of individuals working in the salt industry. This work highlighted the unique nutritional challenges faced by this labor force and proposed strategies for improving their health outcomes. Dr. Maheshwari has also conducted both minor and major research projects funded by the University Grants Commission (UGC), Delhi, including significant work on "Consumer Awareness and Practice." Currently residing in Gandhidham, Gujarat, Dr. Maheshwari serves as the Head of the Department of Home Science at Tolani College of Arts and Science, Adipur, which is affiliated with K.S.K.V. Kachchh University. In her role, she also serves as the Chairman of the Board of Studies and is a member of the Academic Council. Additionally, Dr. Maheshwari is a member of North Gujarat University the Agriculture University and the Indian Association of Home Science. Her extensive experience and active participation in these institutions underline her dedication and contributions to the field of Home Science and Nutrition. She is also Project guide and she is counceller at Gujarat agricultural university, Notrh Gujarat university, Indira Gandhi national open university and Dr. Baba Shaheb Ambedaker Open University.

आई.पी.सी. की धारा 498/ए दुरुपयोग या आवश्यकता

- मंजू केला, बडौदा

आईपीसी की धारा 498ए, अब भारतीय न्याय संहिता की धारा 85, 86 - "जो कोई व्यक्ति, जो किसी महिला का पति या पति का रिश्तेदार है, उस महिला के साथ क्रूरता करता है, उसे तीन साल तक की कैद और जुर्माने से दंडित किया जाएगा।" यह अपराध संज्ञेय (कॉग्निज़ेबल) और गैर-जमानती (नॉन-बेलेबल) दोनों है। उपरोक्त धारा को 1983 में भारतीय दंड संहिता में शामिल किया गया था ताकि विवाहित महिला पर उसके पति और उसके रिश्तेदारों द्वारा किए गए किसी भी क्रूरता के लिए पर्याप्त सजा प्रदान की जा सके। इस धारा में क्रूरता को परिभाषित किया गया है कि कोई भी जानबूझकर किया गया आचरण जो महिला के जीवन, अंग या स्वास्थ्य के लिए गंभीर चोट या खतरा पैदा कर सकता है या उसे आत्महत्या करने के लिए प्रेरित कर सकता है, उसे क्रूरता माना जाएगा। लेकिन आजकल इसका व्यक्तिगत लाभ के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है।

धमकी :

धारा 498ए का उपयोग पत्नी द्वारा पति और उसके रिश्तेदारों या परिवार के सदस्यों को धमकाने के लिए एक हथियार के रूप में किया जा रहा है। वे कुछ मांगें करते हैं और यदि वे मांगें पूरी नहीं होती हैं, तो एफआईआर दर्ज करने की धमकी दी जाती है। धारा 498ए के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय की नवीनतम दिशानिर्देश स्पष्ट करते हैं कि पति के रिश्तेदारों को दहेज की मांग के विशिष्ट आरोपों के अभाव में मुकदमे का सामना करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस मशीनरी का उपयोग पति को फिरौती के लिए नहीं किया जा सकता ताकि उसे पत्नी द्वारा उसके माता-पिता, रिश्तेदारों या दोस्तों के उकसाने पर निचोड़ा जा सके। जहां भी पत्नी उत्पीड़न या दुर्व्यवहार की शिकायत करती है, वहां धारा 498ए का यांत्रिक रूप से उपयोग नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 498ए के दुरुपयोग पर अंकुश लगाते हुए केवल वास्तविक क्रूरता के मामलों में पुलिस हस्तक्षेप पर जोर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 3 मई, 2024 को आईपीसी की धारा 498ए के दुरुपयोग को लेकर चिंता व्यक्त की, जिसमें पति और परिवार के सदस्यों पर प्रतिशोध लेने के लिए इसका दुरुपयोग किया जा रहा है और केंद्र सरकार से व्यावहारिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए धारा 498ए में आवश्यक संशोधन करने पर विचार करने का आग्रह किया। सुप्रीम कोर्ट के नवीनतम निर्णय में, अर्नेश कुमार बनाम बिहार राज्य में पुलिस को स्वचालित रूप से गिरफ्तारी नहीं करने का निर्देश दिया गया है, बल्कि गिरफ्तारी की आवश्यकता पर मापदंडों के अनुसार खुद को संतुष्ट करने का निर्देश दिया गया है। अंत में, मैं एक महिला अधिवक्ता के रूप में कहना चाहूंगी कि यह सत्य है कि "शादियां स्वर्ग में बनती हैं, लेकिन इसे धरती पर गरिमा के साथ बनाए रखना चाहिए।" ■

मेरा गाँव

गडरारोड, पाक बोर्डर

- कवि गौरीशंकर

याद आता है मरूस्थल में बसा मेरा गांव,
सारे वाशिंदों के लिए है जो महफ़ूज़ ठांव,
याद आता है मरूस्थल में !

तपते धोरे रेत के झुलसाती थी खूब तपन,
जल जाता बदन उससे निकलती जो अगन,
सपना बिजली का तो तब केवल सपना था,
फानूस से ही रोशन होता गांव अपना था,
आने जाने शहर को रोज सुबह रेलगाड़ी आती,
छोड़ने लेने मेहमान जनता स्वयं स्टेशन जाती,
रेलमार्ग से टेंकों में भर भरकर पानी आता,
समीप बसी बस्तियों की जो प्यास बुझाता,
आई चिट्ठी किसकी पोस्टमेन गंगू जोर से सुनाता,
बैठा पडोसी जो डाकघर वो लेकर उसको जाता,
अभावों की जिंदगी में प्रेम-भाव अधिक था,
ना कोई ख्वाहिश ना मन में रोष तनिक था,
मेहमाननवाजी तो हर घर की जैसे शान थी,
अमले के लडडू से भी गडरा की पहचान थी,
भगोने में भरकर केसरो जी स्वादिष्ट छोले लाते,
खरीदकर दस पैसे के हम चटकारे लेकर खाते,
आसूलाल के गर्मागर्म पकोड़े आलू प्याज के,
फीके उसके आगे सब महंगे पकवान आज के,
शहीदों की याद में नौ सितम्बर को मेला लगता,
दुकान लादके कंधों पर छात्र अपना माल बेचता,
गौमाता पालना उस वक्त थार की पवित्र प्रथा थी,
पड़े अकाल भले ही पर चारे की पूर्ण व्यवस्था थी,
थोड़ी सी थी ऊंच नीच लेकिन दुष्प्रभाव नहीं था,
छत्तीस कौम रहे मिलकर कहीं अहंभाव नहीं धा,
शहर में कूलर एसी सब हैं पर नहीं ठंडी छांव,
याद आता है बहुत मरुस्थल में बसा मेरा गांव!
याद आता है बहुत मरूस्थल !!

Dr. Mahesh Maheshwari
Jaipur

लोगों को हेल्थ के प्रति जागरूक करने के लिए निम्नलिखित जानकारी उपयोगी हो सकती हैं

	महत्व	सुझाव
संतुलित आहार	संतुलित आहार शरीर को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है, जिससे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत होती है।	आहार में फल, सब्जियां, अनाज, प्रोटीन, और स्वस्थ वसा शामिल करें। चीनी, नमक, और तले हुए खाद्य पदार्थों का सेवन सीमित करें।
नियमित व्यायाम	शारीरिक गतिविधि वजन नियंत्रित करने, हृदय स्वास्थ्य में सुधार करने, और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करती है।	रोजाना कम से कम 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि करें, जैसे पैदल चलना, योग, या साइक्लिंग।
मानसिक स्वास्थ्य	मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। तनाव, चिंता, और अवसाद जैसी स्वास्थ्य समस्याएं जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं।	ध्यान, पर्याप्त नींद, और सकारात्मक सामाजिक संपर्क से मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखें।
पर्याप्त नींद	अच्छी नींद शरीर को पुन: ऊर्जा देती है और मस्तिष्क को आराम देती है, जिससे अगली सुबह ताजगी महसूस होती है।	रोजाना 7-8 घंटे की नींद लेने का प्रयास करें और सोने का नियमित समय तय करें।
पानी का सेवन	शरीर को हाइड्रेटेड रखना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह सभी शारीरिक कार्यों के लिए आवश्यक है।	रोजाना 8-10 गिलास पानी पिएं और अधिक पानी वाले फलों व सब्जियों का सेवन करें।
नियमित स्वास्थ्य जांच	समय-समय पर स्वास्थ्य की जांच करवाने से बीमारियों का जल्दी पता चल सकता है, जिससे उनका प्रभावी उपचार संभव हो सके।	ब्लड प्रेशर, शुगर, और कोलेस्ट्रॉल की नियमित जांच करवाएं, और उम्र के अनुसार अन्य आवश्यक परीक्षण कराएं।
स्वास्थ्य शिक्षा	हेल्थ से जुड़ी जानकारी लोगों तक पहुंचाना जरूरी है ताकि वे सही फैसले ले सकें।	स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी के लिए प्रमाणित स्रोतों का उपयोग करें और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भाग लें।
तंबाकू और शराब से परहेज	तंबाकू और शराब का सेवन स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकता है, जैसे कैंसर, लीवर की समस्या, और हृदय रोग।	इन हानिकारक पदार्थों से पूरी तरह बचने की कोशिश करें।
सकारात्मक जीवनशैली	स्वस्थ जीवनशैली केवल शारीरिक स्वास्थ्य को ही नहीं बल्कि जीवन की समग्र गुणवत्ता को भी बढ़ाती है।	जीवन में अनुशासन, सकारात्मक सोच, और समय प्रबंधन का महत्व समझें और इन्हें अपने जीवन में लागू करें।
स्वच्छता और हाइजीन	व्यक्तिगत और सामुदायिक स्वच्छता बीमारियों को रोकने में अहम भूमिका निभाती है।	नियमित रूप से हाथ धोना, स्वच्छ पानी का उपयोग, और सफाई का ध्यान रखना आवश्यक है।

Go to Index

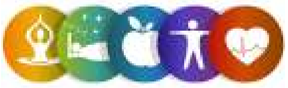

मौत के मुख्य कारण विभिन्न कारकों पर निर्भर करते हैं, जैसे कि जीवनशैली, चिकित्सा सुविधा और सामाजिक-आर्थिक स्थिति। हालांकि, विश्व स्तर पर कुछ प्रमुख कारण हैं जिनके चलते अधिकांश लोगों की मृत्यु होती है। ये कारण निम्नलिखित हैं:

	विवरण	बचाव
हृदय रोग (Cardiovascular Diseases)	हृदय रोग, जिसमें हृदयाघात (हार्टअटैक) और स्ट्रोक शामिल हैं, विश्व स्तर पर मृत्यु का प्रमुख कारण है। यह उच्च रक्तचाप, मोटापा, उच्च कोलेस्ट्रॉल, और अस्वास्थ्यकर जीवनशैली के कारण होता है।	स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम, और तंबाकू व शराब से परहेज कर हृदय रोगों के जोखिम को कम किया जा सकता है।
कैंसर (Cancer)	विभिन्न प्रकार के कैंसर, जैसे फेफड़ों का कैंसर, स्तन कैंसर, और कोलोरेक्टल कैंसर, मृत्यु का एक बड़ा कारण हैं। यह जीन, पर्यावरणीय कारक, और जीवनशैली के कारण हो सकता है।	तंबाकू और शराब से बचाव, स्वस्थ आहार, नियमित जांच और प्रारंभिक निदान से कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है।
क्रॉनिकरेस्पिरेटरीडिजीज (Chronic Respiratory Diseases)	फेफड़ों से संबंधित बीमारियां, जैसे क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिवपल्मोनरी डिजीज (COPD) और अस्थमा, खासतौर पर तंबाकू के धुएं और वायु प्रदूषण के कारण होती हैं।	तंबाकू से परहेज, वायु प्रदूषण से बचाव, और नियमित चिकित्सा देखभाल इन बीमारियों से बचाव में मदद करती है।
डायबिटीज (Diabetes)	डायबिटीज, विशेष रूप से टाइप 2, अस्वास्थ्यकर आहार, मोटापा, और शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण होती है। अनियंत्रित डायबिटीज कई गंभीर समस्याओं, जैसे हृदय रोग और किडनी फेलियर का कारण बन सकती है।	संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, और नियमित रक्त शर्करा की निगरानी से डायबिटीज को नियंत्रित किया जा सकता है।
संक्रामक बीमारियां (Infectious Diseases)	ट्यूबरकुलोसिस (TB), मलेरिया, एचआईवी/एड्स, और अब कोविड-19 जैसी संक्रामक बीमारियां दुनिया भर में मृत्यु का एक बड़ा कारण हैं।	टीकाकरण, स्वच्छता, और रोग से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां इन बीमारियों के प्रसार को रोकने में मदद करती हैं।
सड़क दुर्घटनाएं (Road Traffic Accidents)	तेज गति, शराब पीकर गाड़ी चलाना और ट्रैफिक नियमों का पालन न करना सड़क दुर्घनाओं के मुख्य कारण हैं।	सुरक्षित ड्राइविंग, हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग, और ट्रैफिक नियमों का सख्ती से पालन दुर्घटनाओं से बचने में मदद कर सकते हैं।
आघात और आत्महत्या (Injuries and Suicide)	मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, सामाजिक दबाव, और आर्थिक समस्याओं के कारण आत्महत्या और हिंसक घटनाओं में वृद्धि हो रही है।	मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन, सामाजिक जागरूकता, और संकट प्रबंधन इन घटनाओं को कम कर सकता है।
किडनी की बीमारियां (Kidney Diseases)	क्रॉनिक किडनी डिजीज (CKD) और किडनी फेलियर भी मृत्यु के मुख्य कारणों में से एक हैं, विशेष रूप से अनियंत्रित डायबिटीज और उच्च रक्तचाप के कारण।	रक्तचाप और शुगर के स्तर को नियंत्रित रखना, और समय समय पर किडनी की जांच करवाना आवश्यक है
जठरांत्र (Gastrointestinal Diseases)	जठरांत्र संबंधी बीमारियां, जैसे लीवर की बीमारी, गैस्ट्रोएंटेराइटिस, और पाचन तंत्र के अन्य रोग, भी मौत के प्रमुख कारण हो सकते हैं।	साफ पानी और स्वच्छ भोजन का सेवन, शराब से बचाव, और नियमित चिकित्सा जांच से इन बीमारियों से बचा जा सकता है।
न्यूरोलॉजिकल बीमारियां (Neurological Diseases)	डिमेंशिया, अल्जाइमर, और स्ट्रोक जैसी न्यूरोलॉजिकल बीमारियां भी मृत्यु का प्रमुख कारण हैं।	दिमाग को सक्रिय रखना, स्वस्थ आहार, और स्ट्रोक के लक्षणों के प्रति सतर्कता इन बीमारियों के जोखिम को कम कर सकती है।

अंजाम

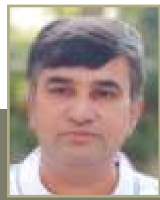

- डॉ. चमन टी. माहेश्वरी

"इसके ससुराल वाले, इसे बहुत ही हैरान कर रहे हैं, जीना हराम कर दिया है मेरी बेटी का। अभी शादी का साल भी पूरा नहीं हुआ है, ऊपर से दामाद जी को भी मेरी बेटी ही गलत लगती है अपनी मां के सामने," सुलोचना जी दुख व गुस्से से बोली अपनी बेटी को तकलीफ में देखकर।

निरूपा को अपनी दोस्त अमिषा के हाव-भाव से कहीं भी यह नहीं लगा की अमिषा दुखी है।

चाय पीते-पीते ही सोचने लगी कि कहीं अमिषा भी उसकी राह तो नहीं चल रही है?

"सच बताओ अमि, क्या राज और तुम्हारे ससुराल वाले तुम्हें हैरान करते हैं?" अचानक निरूपा ने पूछा तो अचानक हुए सवाल से अमिषा का चाय का प्याला छलक गया।

"तुम्हें यह सब कैसे पता चला?" अमिषा ने नजरें नीची करते हुए कहा जवाब देने की जगह सवाल पूछा।

"क्योंकि मैंने भी तुम्हारी तरह झूठ बोला और उसकी बहुत बड़ी कीमत भी चुकाई," कहते हुए निरूपा रोने लगी।

"अमी बात दो साल पहले की है, मतलब मेरी शादी के बाद की बात है। मैं पापा की छोटी बेटी थी मेरे से पहले मेरी दो बहनों की शादी हो चुकी थी। तीन चार महीने में खुश रही। उसके बाद जब भी मैं ससुराल आती तो मेरा चेहरा उदास होता था और मुंह पर ससुराल वाले व पति की बुराइयां ही होती थी।

मेरी तकलीफ सुन-सुनकर सदा हंसते मुस्कराते मेरे पापा तनावग्रस्त रहने लगे। उन्हें पहले से ही हाई बीपी की तकलीफ थी ही। एक रात मेरे पापा को मेरी चिंता के कारण हार्ट-अटेक आ गया।

किस पापा को अपनी बेटी का उदास चेहरा पसंद आता, इस कारण मेरा बहुत ही ध्यान रखते थे और मुझे कुछ ना कुछ मंहगा गिफ्ट लेकर देते थे ताकि मैं खुश रह सकूं और मेरे को मां-पापा से सहानुभूति मिलती रहती थी।

मुझे पता था कि मैं यहां पापा और मम्मी के सामने जितनी बेचारी बनी रहूंगी उतनी मुझे ज्यादा सहानुभुती और मनचाही वस्तु की गिफ्ट मिलती रहेगी।

अमी, सच बताऊं यह सब मैंने अपनी बड़ी बहन को देखकर ही सीखा था। मैंने देखा था जब मैं छोटी थी जब भी दीदी ससुराल से तकलीफ में रोते हुए आती, तब मम्मी-पापा उसका बहुत ख्याल रखते थे और वापस ससुराल जाते हुए उसे अच्छी मंहगी वस्तुएं और पैसे भी दे देते थे।

मैं उस समय छोटी थी, पर यह सब खामोशी से देख रही थी और समझ रही थी। मैंने इसे देखकर उसी समय समझ लिया कि इस तरह बहुत ही गलत या नाजायज फायदा उठाया जा सकता है।

और मैं अपनी पति व ससुराल को बताना चाहती थी या फिर कहो कि धौंस जमाना चाहती थी कि देखो मेरे मम्मी पापा मुझे कितना कुछ दे रहे हैं।

एक बार मैंने घर आकर झगड़ कर आने का नाटक किया तो मम्मी ने पापा से कहा भी था कि, "दामाद जी से बात करो कि रोज-रोज निरूपा को हैरान क्यों कर रहे हैं।" मैं डर गई थी अपनी पोल खुलने के डर से, पर पापा ने मम्मी को डांटते हुए कहा, "दामादजी और उसके घर वाले अपनी गलती मान लेंगे और माफी मांगेंगे और सुधर जाएंगे क्या?" मैं और भी निश्चिंत हो गई अब मेरा मुंह और खुल गया ना, या यूं कहो कि नरभक्षी शेर के मुंह खून लग गया था। मेरी मांगे और शिकायतें बढ़ती गयी।

मेरे पति को आश्चर्य होता था कि अब जब वे ससुराल में जाते थे तो कोई कहता तो नहीं, पर सभी कन्नी काटते थे और अब उनकी वैसी खातिरदारी नहीं होती थी जैसे दामाद की होती है। मेरे पति समझ गए कि उनसे शिकायत तो है पर क्या? पर वे कारण नहीं जान पाए। मान सम्मान नहीं मिलता था, इस कारण उन्होंने धीरे-धीरे मेरे पीयर आना ही बंद कर दिया तो मेरे माता-पिता को मेरी बातों पर विश्वास और बढ़ गया।

मेरी तकलीफ सुन- सुनकर सदा हंसते मुस्कराते मेरे पापा तनावग्रस्त रहने लगे। उन्हें पहले से ही हाई बीपी की तकलीफ थी ही। एक रात मेरे पापा को मेरी चिंता के कारण हार्ट-अटेक आ गया और उन्होंने हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही एंबुलेंस में ही दुनियां छोड़ दी।

कुछ दिन बाद मम्मी ने हम सब बहनों को बताया कि वे निरूपा पर होने वाले अत्याचारों के कारण चिंतित रहते थे यहां तक कि मरते समय उन्होंने एंबुलेंस में मुझे कहा कि, "मेरी बेटी निरूपा का बहुत ध्यान रखना," तो मैं स्तब्ध रह गयी कि मेरे किए गए सहानुभुति पाने के नाटक के कारण, मेरे प्यारे पापा हमेशा के लिए मुझे छोड़ कर चले गए। मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि अंजाम यहां तक पहुंच जाएगा।

"अमी, मैंने तुम्हें वही कहानी दौहराते हुए देखा, तो मैं डर गई कि कहीं तुम्हारें साथ भी मेरा जैसा अंजाम न हो जाए, और तुम जिंदगीभर अपने को कोसो। इसिलिए तुम्हें यह सब मैं बता रही हूं ताकि तुम वही गलती मतदोहराओं, नहीं तो अंजाम बहुत बुरा होगा।

आपदा में अवसर

- दिलीप कुमार राठी

भाता है मुझे गम

वह नहीं जो खुशियों के अभाव में आता है
और बनकर किस्मत जबरदस्ती चिपक
जाता है, बल्कि वह जो मेरे बिखरते
हौसलों को जोड़ता है, मेरी कामयाबी के
फासलो को तोड़ता है।

पसन्द है मुझ को हार

वह नहीं जो जीत के अभाव में आती है
और जबरदस्ती गले पड़ जाती है,
बल्कि वह जो जीत का गीत बनकर आती है
और मेरी शख्शियत का मान बढ़ाती है।
रुकना और झुकना मंजूर नहीं मुझे,
सदा आपदा से अवसर निकाले हैं।
इरादों ने मेरे थामे है समन्दर,
मेरे संकल्पो के आगे बौने पड़े हिमाले हैं।

माये पछो नढीयो थेनो हे !

मयूर लोहिया, मोटेरा
[ढाटी वानियेरे वाते]

पेला चारना-अठानी रे खट- मीठा मि सरछे
जयिताहिना किटकेट - डेरी मिल्क मि औ मजो कीथ
माये पछो नढीयो थेनो हे !

पेला घरमि / बहार चौक थे कुंदाड़ो करे वाते करता
हिना व्हाट्सप्प ग्रुप मि औ मजो कीथ
माये पछो नढीयो थेनो हे !

खींच -रबड़ी भेडा चार औलन मि जाने सोधाराम थीतो
हिना बर्गर-पिज़ा मि औ मजो कीथ
माये पछो नढीयो थेनो हे !

नवा कपडा परता तो पांडे मि साजना बतान जायिता
हिना फेस्बूक- इंस्टा ते फोटो अपलोड कारन मि औ मजो कीथ
माये पछो नढीयो थेनो हे !

विया मि लापसी-मगत रा तन दी धामा हलता
हिना डेस्टीनटशन वेडिंग मि औ मजो कीथ
माये पछो नढीयो थेनो हे !

बोर्ड रे परीक्षा मि हिमत देंन पांडे वादा घरे जायिता
हिना व्हाट्सप्प थे बेस्ट लक मि औ मजो कीथ
माये पछो नढीयो थेनो हे !

पेला एकबीजारी अगली पकडे स्कुल जायिता
हिना स्कुल बस मि औ मजो कीथ
माये पछो नढीयो थेनो हे !

पेला बर्थडे मि पेंदा-चवणे पर जो एक पेन्सिल
मि मिलती तो राजी थे जायिता
हिना वड़े केक रिटन गिफ्ट मि औ मजो कीथ
माये पछो नढीयो थेनो हे !

छुटिया मि नानाने जायिता महीनो कुड़ाकुड़ करता
हिना बस बू दी फायर पाछो आने मि औ मजो कीथ
माये पछो नढीयो थेनो हे !

वरसाद मि धाबा रे बाम्बुड़ा रे किने पानी रे निचे सिनान करता
हिना वाटरपार्क रे वॉटरफॉल मि औ मजो कीथ
माये पछो नढीयो थेनो हे !

पेला दादी नानी माथे ते चाम्पे तेल लगाए सिद वायिता
हिना हेयर स्पा मि औ मजो कीथ
माये पछो नढीयो थेनो हे !

पेला टीवी जॉन एक रे घरे सजा जायिता
हिना नेटफ्लिक्स रा पासवर्ड मगन मि औ मजो कीथ
माये पछो नढीयो थेनो हे !

भागदौड़ री ऐ दुनिया मि बू पैसा कमानमि ऐडा फसाये गया
के मयूर लोहिया एक वार वड़े केदो की पेला जेड़ो मजो कीथ
माये पछो नढीयो थेनो हे !

Parivartan Kavita
- Dinesh Malani

दिनेश दिल से, आंखें भरी है जल से

पालनपुर महेश्वरी महिला मंडल

पालनपुर सिनियर सीटीझन महिला मंडल पीछले चार वर्षो से सिनियर सीटीझन ग्रूप वर्ष दरम्यान कई सारी एक्टीवीटी करते है। खास बात ये है कि यह महेश्वरी समाज का पहला सीनीयर सीटीजन महिला मंडल है। इस मंडल का खास उद्देश्य समाज की सभी वृद्ध महिलाओं को एक स्थान पर एकत्रीत करना और अलग अलग कार्यक्रम का आयोजन करना। जैसे की (१) धार्मिक तहेवारों को एक साथ मनाना (२) हर मास की ग्यारस को भजन-कीर्तन करना (३) विशेष तीथीयों पर यज्ञ का आयोजन करना (४) हर मास की १२ तारीख को मिटींग करना, गेम करना, साथ में नाश्ता करना, प्रवास करना, चेर योगा, महिला की जन्मतीथी मनाना जैसी प्रवृत्तियाँ सिनीयर सीटीझन की बहेनें खूब आनंद और उत्साह से करती है। इस मंडल में ६०-७० सक्रीय मेम्बर्स है।

हिम्मतनगर माहेश्वरी समाज

किशनलाल म. राठी
अध्यक्ष

घनश्यामदासजी राठी
उपाध्यक्ष

अनिल शारदा
मंत्री

घनश्यामजी म. राठी
कोषाध्यक्ष

सलाहकार : लजपतजी जीवाणी, जयराम ब. रुपाणी, मनोजकुमार हिरानी, चमनलाल शारदा

ढाट माहेश्वरी समाज आनंद जिला द्वारा आयोजित 'रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य व व्यापार संबंधित सेमीनार'

'रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य व व्यापार संबंधित सेमीनार'की ज्यादा जानकारी के लिए यह लींक पे क्लिक करीए।

ईसनपुर राम रोटी सेवा

ईसनपुर माहेश्वरी समाज द्वारा श्री मुरलीधरजी अखाणी, श्री फरसरामजी कचोरिया और श्री अनिल जी अखाणी की अगुवाई मैं पिछले १० वर्षो से हर रोज़ करीब २०० जरुरत मंद बच्चे - बुज़ुर्गो को राम रोटी पहुंचाई जा रही है

सामाजिक गतिविधिया

वेस्टर्न माहेश्वरी समाज के नवनियुक्त कार्यकारणी वर्ष २०२४-२५

श्री धर्मेश पी. महेश्वरी
अध्यक्ष

श्री हरीश ए. भूतडा
प्रमुख

श्री अभयजी चंदीरा
महामंत्री

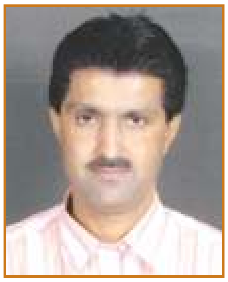

श्री सुरेशजी कडवा
खजानची

पालनपुर महेश्वरी युवक मंडल

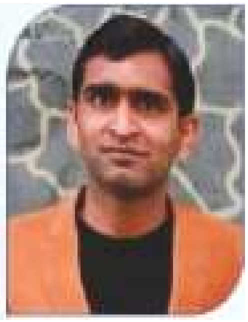

सुनील जे. महेश्वरी
अध्यक्ष

लोकेश ए. चंदीरा
सहअध्यक्ष

जितेन्द्र के. महेश्वरी
मंत्री

लतेश एम. राठी
कोषाध्यक्ष

पराग के. मथराणी
सहमंत्री

दिनांक २५/०३/२०२४ सोमवार को महेश्वरी युवक मंडल की नई कार्यकारिणी की रचना की गई जिसमें अध्यक्ष : सुनील जे. महेश्वरी, मंत्री जितेन्द्र के. महेश्वरी, कोषाध्यक्ष लतेश एम. राठी की नियुक्ति हुई ,जनरल मीटिंग दिनांक १२/०५/२०२४ रविवार को सहअध्यक्ष लोकेश ए. चंदीरा सहमंत्री पराग के मथराणी एवं २५ सदस्य नियुक्त किए गए।

दिनांक ०९/०६/२०२४ रविवार को महेश्वरी युवक मंडल पालनपुर ने सहयोगी दाताश्री के अनुदान से बुक बैंक का आयोजन किया जिसमें गूगल लिंक से रजिस्टर करके ५८ परिवारों को नवनीत के नोटबुक का डिस्काउंट रेट पर डिस्ट्रीब्यूशन किया गया।

Go to Index

श्रद्धा सुमन

क्रम	नाम	ऊम्र	दिनांक	स्थान
1	श्रीमती कल्पनाबेन गौतमदास गिगल (धड़वाई)	50	6 जून 2024 गुरुवार	सुरेंद्रनगर
2	श्री शंकरलाल खुशालदास लधड़ (सांझीरा)	59	17 जून 2024 सोमवार	कठलाल
3	श्रीमती कोशिलाबाई मदनलाल बालूवाणी	55	18 जून 2024 मंगलवार	मिट्ठी
4	श्रीमती द्रौपदीदेवी डॉ. नारायणदास लोहिया		18 जून 2024 मंगलवार	कुंनरी
5	तनसुख शिसपालदास जी कुम्भारिया लधड़	50	21 जून 2014 शुक्रवार	गड़रारोड
6	श्रीमती शिलवंतीदेवी जवाहरलालजी केला (ईसराणी)	70	23 जून 2024 रविवार	माणसा
7	श्री तुलजाराम विशनदासजी हिराणी (भूतड़ा)	-	11 जुलाई 2024 गुरुवार	रनासण (हिमतनगर)
8	श्री टीकमदास जगुमलजी (अखाणी)	81	28 जुलाई 2024 रविवार	दहेज (भरूच)
9	श्री घनश्यामदास जीवराजमल डामाणी	-	01 अगस्त 2024 गुरुवार	राणीप, अहमदाबाद
10	श्रीमती सावित्रीबाई तुलजारामजी केला (करमाणी)	-	08 अगस्त 2024 गुरुवार	कराची
11	श्री गोपालदास इन्द्रमलजी पनपालिया	75	11 अगस्त 2024 रविवार	बाड़मेर
12	श्री अशोककुमार पुरषोत्तमदास राठी (गिरधाराणी)	56	13 अगस्त 2024 मंगलवार	बाड़मेर
13	श्री ओमप्रकाश हरलालदासजी शारदा	51	13 अगस्त 2024 मंगलवार	गढरा रोड़
14	श्रीमती मनीषा धवलकुमार लधड़ (सांझीरा)	27	15 अगस्त 2024 बुधवार	मांजलपुर (वडोदरा)
15	श्रीमती मनीषा धवलकुमार लधड़ (सांझीरा)	27	15 अगस्त 2024 गुरुवार	मांजलपुर (वडोदरा)
16	श्रीमती रुक्मिणीबाई मुरलीधरजी (सतगुरया)	90	21 अगस्त 2024 बुधवार	चेल्हार हाल चम्बर
17	श्री ताराचंदजी गुणेशदासजी शारदा (मंजीरा)	78	21 अगस्त 2024 बुधवार	बोडेली
18	श्रीमती भगवतीदेवी खटाउमल पनपालीया (मूलाणी)	72	22 अगस्त 2024 गुरूवार	दहेज (भरूच)
19	श्री बंसीधर मोतीरामजी शारदा (उदवाणी)	68	26 अगस्त 2024 सोमवार	अमरकोट

दसवीं पुण्यतिथि पर सादर नमन

जनसंघ के संस्थापक सदस्य और भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. लेखराज बचाणी साहब की इस महीने दसवीं पुण्यतिथि पर हम सब उन्हें सादर नमन करते हैं। बचाणी साहब पालनपुर से चार बार विधायक चुने गए थे और राज्यसभा के सांसद के रूप में भी अपनी सेवाएँ दी थीं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी में प्रदेश स्तर पर भी महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएँ दी थीं। आज बचाणी साहब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन लोग आज भी उन्हें बहुत याद करते हैं। उनकी सफल यात्रा, जो कि एक प्रमुख राष्ट्रवादी हिंदू नेता के रूप में रण से लेकर राजधानी तक रही, ऐसे बचाणी साहब को हम सभी दिल से नमन करते है।

पुरस्कार एवं उपलब्धियां

Dr. Rajesh Maaheshwari began his tenure at G.K. General Hospital in Bhuj in August 1994 and served there for about 1.5 years. Despite the limited resources in a government hospital, he treated many challenging cases and saved the lives of numerous infants and children with severe illnesses.

In February 1996, Dr. Maaheshwari started practicing as a pediatrician at the Masoom Children's Hospital in Gandhidham. He was also invited to the Trust Hospital in Bhachau and Rapar as a visiting pediatrician in 1997-98. His interaction and acquaintance with the Vagad region increased. Increased patients with branding marks started coming to him for treatment. He often thought that in Vagad, branding was the only treatment for children's illnesses, deeply rooted in superstition. Such branding often worsened the condition of these children, who were already suffering from severe diseases like malaria, typhoid, jaundice, meningitis, and seizures.

Dr. Maaheshwari was practicing privately and was directly connected with the people of Vagad, so the seed planted in his mind years ago to eradicate the practice of branding became fresh again! Taking this as a favorable coincidence, he contacted journalist in 1997. He was the chief of the Gandhidham news bureau of the 'Kutchmitra' newspaper. Dr. Maaheshwari explained the superstition of branding, its prevalence, and the serious harm it causes to children. He emphasized that this practice is inhumane and brutal and that something must be done about it. He responded positively. Dr. Maaheshwari provided him with information about a child in Vagad who was critically ill due to a (+) shaped branding on the forehead. The child was suffering from 'Hydrocephalus,' a condition where fluid accumulates in the brain. He took this news seriously and published it with sensitivity and seriousness on the last page of the 'Kutchmitra newspaper. This news opened eyes of many wise & sensitive people and received praise from many litrate /educated people and doctors, encouraging Dr. Maaheshwari further.

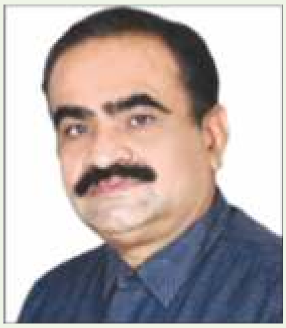

Dr. Rajesh Maaheshwari

Dr. Maaheshwari's goal was to eradicate branding. By around 2014-15, it almost ceased to exist, as evidenced by no cases of children receiving branding being reported in the Vagad area by 2019. Though, it became outdated there were occasional cases in neighboring districts like Patan or Banaskantha, the inhumane practice of branding in the Vagad area seemed to be fading away. Dr. Maaheshwari's continuous, relentless struggle of 19-20 years, facing challenges and opposition like a 'one-man army,' succeeded in eradicating this practice.

Seeing his selfless services toward children in rural set up and against odd condition he was elected as President of Academy of Pediatrics, Gujarat State in 2015.He launched KUPOSHAN MAHAABHIYAAN in 2015 along with Govt. of Gujarat in Sept. from Chhotaudepurtaluka,along with Chief minister Smt.Anandiben Patel state wide to combate Malnutritions in children across Gujarat, He conduted many academic programme keeping centre in child health &walfare whole year.

For his relentless and selfless service, Dr. Maaheshwari was honored with the prestigious "Unsung Heroes of AOP-Gujarat" award at GUJPEDICON 2022 in Ahmedabad. His journey, marked by unwavering commitment and personal sacrifices, stands as a testament to the power of individual action in bringing about significant social change.

Dilip Kumar Maheshwari
Degree : M.Tech in Data Science and Data Engineering (CGPA : 8.56) University : BITS Pilani

Er. Shubham Nileshbhai Kela
Project Associate

Completed Post Graduation (M.Tech) in Environmental Engineering from Pandit Deendayal Energy University in the year 2024, with an overall CGPA of 9.97/10 and qualified in the GATE Exam (2024)

Go to Index

नाम : युविन माहेश्वरी

पिता का नाम : दिलीप महादेव पी. माहेश्वरी

मूल गाम : वडा नया, बागोडा, झालोर, राजस्थान

युविन माहेश्वरी की साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) ओलंपियाड में हालिया उपलब्धियां। युविन, जो वर्तमान में यूरो स्कूल नॉर्थ कैंपस, बैंगलोर में कक्षा २ में है, २०२३-२०२४ शैक्षणिक वर्ष प्रतियोगिता में भाग लिया और एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की :

राष्ट्रीय साइबर ओलंपियाड (एनसीओ) : कर्नाटक जोन रैंक ४ और स्कूल रैंक १

अंतर्राष्ट्रीय गणितीय ओलंपियाड (आईएमओ) : स्कूल रैंक १

अंतर्राष्ट्रीय जीके ओलंपियाड (आईजीकेओ) : स्कूल रैंक १

राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड (एनएसओ) : स्कूल रैंक १

हमें इन उत्कृष्ट परिणामों में परिलक्षित युविन के समर्पण और कड़ी मेहनत पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है।

ગુજરાત સમાચાર

મૂળ આણંદની અને અત્યારે USAમાં રહેતી એકતા શાહનું સ્પેસ સાયન્સ ક્ષેત્રે મહત્વનું સંશોધન

બ્રહ્માંડમાં ગેલેક્સીના નિર્માણની માહિતી મેળવી શકાય તેવા ૬ પ્રોટોસ્ટ્રક્ચર્સ શોધીને તેને ભારતીય નામ આપ્યા

આ પ્રોટોસ્ટ્રક્ચર્સને માણસની છ ઈન્દ્રીય પરથી દ્રષ્ટિ, સુરભી, સ્પર્શ, ધૃતિ, સ્મૃતિ અને શ્રવણ જેવા નામ આપ્યા જેને વિશ્વની પ્રતિષ્ઠિત સંસ્થાઓએ માન્યતા આપી

NATIONAL SPACE DAY

એકતા શાહ હાલ યુનિવર્સિટી ઓફ કેલિફોર્નિયામાં રિસર્ચ કરી રહ્યા છે : રિસર્ચ કરવા માટે નાસા દ્વારા ફંડ અપાયું હતું

પ્રોટોસ્ટ્રક્ચર એટલે શું ?

આ સંશોધનની વિશેષતા

Daksh Dilipkumar Maheshwari from Vijapur received a Silver medal at National Special Olympics and a Gold medal at State level Khel Mahakumbh.

Congratulations for Qualifying PG NEET

1 Dr. Khushbu Kella D/o Shri Vijay Hiralal Kella (Maninagar)
2 Dr. Varun Maheshwari (Sanjhira) S/o Shri Manoj Parsottdas Maheshwari, Jaipur
3 Dr. Yogesh Maheshwari S/o Mahesh Dungarmalji Karwa, Sanchor
4 Dr. Yogesh Chandak S/o Bhawarlal Dungarmalji Chandak (Lachhani, Talod)
5 Dr. Muskan Kella D/o Hitendra Motilal Kella (Maninagar)
6 Dr. Harsh Harani S/o Ajaybhai Harani (Vastrapur)
7 Janki Suresh Rathi Bandura Maninagar Cleared Neet PG

Exam With Flying Colours ! Many Congratulations to them & Their Family ..!!!

ऑल ईन्डिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज

वर्तमान गतिविधियां

- सोश्यल सिक्योरिटी स्कीम
- महेश गौशाला
- हॉस्टेल सेवा(अहमदाबाद)
- रोजगार योजना
- मोबाईल एप
- AIFDMS वेबसाइट
- ई-पत्रिका

हॉस्टल सेवा

वर्तमान में **ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज** १-२, स्मृति अपार्टमेन्ट, पोलिटेक्निक के सामने, पांजरापोल चार रास्ता, आंबावाडी, अहमदाबाद (गुजरात) के द्वारा संचालित हॉस्टल की संक्षिप्त जानकारी -

- 6 कमरे(पलंग, बिस्तर के साथ)
- 1 बड़ा अध्ययन कक्ष (फर्निचर के साथ)
- 40 छात्र के रहने की व्यवस्था है।
- अहमदाबाद एवं गांधीनगर मैं - BBA, CA, ENGG, MEDICAL इत्यादि कोर्स करने वाले राजस्थान व गुजरात के विभिन्न कस्बों के छात्र सम्मिलित है।
- रसोई घर (रसोइये की व्यवस्था है)।

महेश गौसेवा ट्रस्ट

श्री महेश गौसेवा ट्रस्ट अहमदाबाद, AIFDMS के अंतर्गत आती है।

ट्रस्ट के विधान के अनुसार 6 सदस्य AIFDMS से लियेजाते है। यह ट्रस्ट इनकमटैक्स के 80G के अंतर्गतआता है साथ ही इस वर्ष ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन CSR मंत्रालय से होगया है। विधान के अनुसार 21 प्रबंध समिति सदस्य और 30 सलाहकार सदस्य होते है। कुल 51 सदस्य होते है जिसमें 6 सदस्यAIFDMS के कार्यकारणी से आते हैं।

हम सभी ढाटी गौ सेवकों का हार्दिक धन्यवाद करते है जिन्होनें इस वर्ष हमे 23 लाख का सहयोग प्रदान किया है। पिछले वित्तीय वर्ष से अब तक का कमिटमेंट इस प्रकार है - 45 लाख रुपये +16 लाख रुपये =61 लाख रुपये

इसमे से -

- 10 लाख श्री भगवान गौशाला गडरा रोड।
- 10 लाख रुपये महेश धाम गौशालाअग्रिम दिए।
- 10.08 लाख गायत्री गौशाला थराद को गयो के शेड बनाने हेतु।
- 1 लाख रुपये कृष्णा गौशाला हरा चारा दिया।
- 51,000/- पिंजरापोल गौशाला जयपुर।
- 9,20,274/- शिवम सेल्स कॉर्पोरेशन को एम्बुलेंस खरीदने के लिए।

इस प्रकार कुल 41,79,274/- का दान दिया जा चुका है।

गौमाता जो आजीवन हमें अपने दूध, दही, घी आदि से पोषित करती है अपने इन सुंदर उपहारों से जीवनभर हमारा हित करती है। ऐसी गौमाता की महानता से अनभिज्ञ होकर, मात्र उसके पालन पोषण का खर्च क्या हम सभी माहेश्वरी बन्धु वहन नहीं कर सकते? क्या गौमाता के प्रति हमारा कर्तव्य नहीं है? गौमाता की कृपा सभी भक्तों पर बनी रहे। जिन भी ढाटी बंधुओ ने अभी तक अपना घोषित अनुदान जमा नही करवाया है, वह कृपया जल्दी से जल्दी नीचे दिए गए अकाउंट में जमा करवा दे, वर्ष २०२३-२४ की Balance Sheet, CA के पास ऑडिट के लिए है और कुछ ही दिनों में सार्वजनिक की जाएगी।

ACCOUNT DETAILS -
Account Name -
SHREE MAHESH GAU SEVA TRUST
Account No. - 919010032851108
ISFC Code - UTIB0001193

श्री लेखराज मथुरादासजी माहेश्वरी (अध्यक्ष)
श्री फरसराम लक्ष्मणदासजी कचोलिया (वरिष्ठ उपाधक्ष)
श्री रमेश कुमार बालचंदजी भूतड़ा (उपाध्यक्ष)
श्री प्रकाशकुमार प्रभुलालजी भूतड़ा (उपाध्यक्ष)
श्री दिलीपकुमार डी मोहता (महा सचिव)
श्री भगवानदास रतनलालजी चांडक (कोषाध्यक्ष)
श्री सुरेशकुमार जेसारामजी रामवाणी (संयुक्त सचिव)
श्री धर्मेश पी. माहेश्वरी (संयुक्त सचिव)
श्री प्रकाश धर्मदेवजी राठी (संयुक्त सचिव) एवं समस्त सलाहकार तथा सदस्य।

उत्सव व त्योहार

गांधीधाम श्री थरी माहेश्वरी समाज द्वारा धाम धुम से महेश नवमी (उत्पत्ति)का त्योहार मनाया गया। जिसमें बर्फ से भगवान शिव का शिवलिंग रवाडी का आकर्षण रहा एवं सुबह हवन और बच्चों के लिए ड्रोईग कि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शाम को समुह भोजन का भी आयोजन किया गया था। आखिर में समाज की जनरल मीटिंग मे समाज के दो साल के कारोबारी टीम की रचना की गई, सर्व सन्मती से डॉ. हसमुख वी. केला को प्रमुख नियुक्त किया गया एवं पदाधिकारीओ में मंत्री श्री प्रकाश पी. मोहता एवं उपप्रमुख मुरली बी. जगाणी, उपप्रमुख रमेश ऐ. मथरानी, सहमंत्री निशांत रामावाणी, सहमंत्री भावेश कचोरिया और खजांची अरुण हराणी की नियुक्ति की गई।

नरोड़ा तीज उत्सव

हर हर महादेव सेवा मंडल - इसनपुर, अहमदाबाद के वरिष्ठ नागरिकों के लिए श्रावण माह में अहमदाबाद के मंदिरों के एक दिवसीय दौरे की व्यवस्था की है। सभी ने यात्रा का आनंद लिया और लगभग 15 बड़े मंदिरों के दर्शन का लाभ लिया।

ज्यादा जानकारी के लिए ईस
लिंक पर क्लिक करे

बोरसद
ध्वजारोहण
कार्यक्रम

Go to Index

पालनपुर

महिला मंडल द्वारा १५ अगस्त का सेलिब्रेशन - पालनपुर

२१ जून, २०२४ ईन्टरनेशनल योगा डे सेलिब्रेशन।

पालनपुर महिला मंडल द्वारा
ऐठोर प्रवास का आयोजन किया गया।

महिला मंडल द्वारा अंबाजी वन डे पीकनीक
का आयोजन किया गया।

आजादी का रंग योगा के संग

अहमदाबाद महेश्वरी महिला द्वारा प्रवास का
आयोजन किया गया।

सुरेन्द्रनगर में सभी बहनों ने मिलकर साथ में
वीर पुसली की वार्ता की और तिल जब जलाएं।

धानेरा में सभी बहनों ने मिलकर साथ में वीर
पुसली की वार्ता की और तिल जब जलाएं।

सवाई माधोपुर

महेश्वरी महिला मंडल सवाई माधोपुर की महिलाए लोहार्गल सीकर के लिए रवाना हुई
जो की महेश्वरी समाज का उत्पति स्थल है।

पिकनीक

महेश्वरी समाज की महिलाऐ जो कडी, तलोद,
बोरसद, भूज, वडोदरा, बोपल, सुरेन्द्रनगर से
कोटेश्वर धाम पर एकट्ठे हुऐ और
बडे उत्साह से सब ने पीकनीक मनाई।

वडोदरा

वडोदरा में महेश नवमी २०२४ का उत्सव धूमधाम से मनाया गया।

दिनांक १५/०६/२०२४ शनिवार को महेश्वरी समाज के मुख्य उत्सव महेशनवमी का धूमधाम हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। जिसमें महेश्वरी युवक मंडल द्वारा शरबत वितरण, लघु रुद्री हवन, शोभायात्रा, सांस्कृतिक प्रोग्राम एवं रात्रि भोजन प्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के सभी परिवारों ने उपस्थित रहकर प्रोग्राम की शोभा को बढ़ाया।

दिनांक ०४/०८/२०२४ रविवार को महेश्वरी युवक मंडलने जनरल मिटिंग एवं मित्रता दिवस सेलिब्रेशन किया, जिसमें त्रिमासिक कार्य का एवं आने वाले नए प्रोगाम की चर्चा कि गई।

Go to Index

महेश नवमी २०२४

महा रैली, बाड़मेर

ढाट माहेश्वरी पंचायत संस्थान, बाड़मेर

भजन संध्या, बाड़मेर